Fin 9. Programme head v/s natural accounting head.

९. प्रोग्रॅम हेड V/S नॅचलर अकाउंटींग हेड

- जब अकाउंटींग सिस्टीम बनेगी तब शुरुवात सेही बजेट हेडस् और खर्चे के हेडस् मिलने जुलते होने चाहिये। इससे कोई भी खर्च तुरंत सही अकाउंटींग हेड मे दिखेगा। कई बार हम नॅचरल अकाउंट हेडस् इस्तेमाल करते है और अपने कार्यक्रम संबंधी खर्चे को इसमे फिर करने की कोशिश करते है। ये सही तरीका नही है.
- प्रोग्रॅम हेड और नॅचरल अकाउंट हेडस् मे फर्क है। प्रवास या `ट्रॅव्हल' ये एक नॅचरल अकाउंट हेड है लेकिन संस्था के कार्य मे ट्रॅव्हल का उद्देश या हेतू क्या है इससे इस खर्च को कहा दिखाना है ये तय होगा। अगर `ट्रॅव्हल' कार्य के लिये किया है तो ये `प्रोग्रॅम हेड' मे दिखाना होगा.

इस बात समझने के लिये हम एक उदाहरण देखेंगे। एक संस्था का FCRA का ॲप्लीकेशन रीजेक्ट हुआ था। वो संस्था के विश्वस्त संबंधीत अफसर को मिलने के लिये गये। अफसर ने बताया की संस्था का सारा खर्चा `ट्रॅव्हल, होटल मे रहना, और खाना' ये तीन ही चिजोंपर हुवा है। FCRA ॲप्लीकेशन रीजेक्ट करने का कारण यही है। संस्था के विश्वस्त ने वित्त व्यवस्थापक की सलाह लेके फिरसे अकाउंटस बनाए और FCRA ॲप्लीकेशन किया। इस बार FCRA ॲप्लीकेशन मंजूर हुवा और संस्था को FCRA नंबर दिया गया।

- संस्था के अकाउंटस् मे प्रोग्रॅम हेड पहले बनेंगे और उसके अंदर अकाउंटस् हेड `सब-हेडस्' होंगे। इससे कार्यक्रम के हेतू किया गया खर्चा `प्रोग्रॅम हेड' मे दिखेगा।